हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, जून 23, 2024

12 पांच वर्षों से लंबित पड़े निर्माणधीन रेलवे अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू

12 334.64 लाख से बनने वाले मार्ग का शिलान्यास

खबर संक्षेप

नहर में डूबे व्यक्ति का शव बरामद

फतेहाबाद। टोहाना में नहर में डूबे व्यक्ति का शव चंद्रावल के पास बरामद हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अमृतसर निवासी 60 वर्षीय केवल कुमार टोहाना में विवाहित अपनी बेटी के पास तीन चार दिन पहले मिलने आया हुआ था। बताया जा रहा है कि वह भाखड़ा नहर में नहाने उतरा और बह गया। उसके बाद से उसकी तलाश की जा रही थी। शाम को उसका शव चंद्रावल के पास नहर से बरामद हुआ है।

भूना में क्रिकेट प्रतियोगिता 24 को

भूना। हरियाणा क्रिकेट क्लब भूना के तत्वावधान में 24 से 26 जून को खैरी चौक पर शनि मंदिर के पास खेल मैदान में भूना-फतेहाबाद की सबसे बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता होगी। क्रिकेट प्रतियोगिता में 32 टीमें भाग लेंगी। खेल प्रतियोगिता का 24 जून को युवा कांग्रेस नेता अभिमन्यु दौलतपुरिया व चेयरमैन प्रतिनिधि पंकज पसरीजा सयुंक्त रूप से करेंगे। हरियाणा क्रिकेट क्लब के प्रधान पवन कंबोज सामा ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 11 हजार 11 रुपये इनाम एवं ट्राफी तथा द्वितीय विजेता टीम को 7111 रुपये एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

रतिया क्षेत्र से युवती सहित दो लोग लापता

फतेहाबाद। रतिया क्षेत्र से एक युवती सहित दो लोगों के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 1 रतिया निवासी बूटा सिंह ने कहा है कि उसका 22 साल का लड़का बलविन्द्र सिंह बिना घर पर किसी को बताए घर से चला गया है और घर वापस नहीं लौटा है। उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। रतिया पुलिस ने इस बारे केस दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

रतिया में कन्फैक्शनरी दुकान से हजारों की चोरी

फतेहाबाद। चोरों ने रतिया में एक कन्फैक्शनरी दुकान में घुसकर वहां गल्ले में रखी हजारों रुपये की नकदी चोरी कर ली। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है। रतिया पुलिस को दी शिकायत में टिब्बा कालोनी रतिया निवासी सुभाष चन्द्र ने कहा है कि उसकी बिश्नोई मंदिर के सामने कन्फैक्शनरी की दुकान है। गत दिवस रात को वह दुकान का ताला लगाकर घर चला गया था। अगले दिन सुबह जब वह दुकान पर आया और दुकान के अंदर गया तो देखा कि दुकान का सारा सामान बिखरा पड़ा था और दुकान के गल्ले में रखी करीब 22 हजार रुपये की नकदी गायब थी।

मकान के ताले तोड़कर गहने व नकदी चोरी

फतेहाबाद। चोरों ने डीसी कालोनी स्थित एक मकान के ताले तोड़कर वहां से सोने व चांदी के गहने व हजारों की नकदी चोरी कर ली। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इस बारे बीघड़ रोड स्थित डीसी कालोनी निवासी अनिल कुमार ने कहा है कि 21 जून को दोपहर वह हिसार के गांव भोड़िया बिश्नोईयान में अपनी बुआ सास का देहांत होने उपरांत शोक सभा में भाग लेने गए थे। वे मकान को ताला लगाकर गए थे। शाम को जब वह वापस घर पहुंचे तो देखा कि मकान के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। जब वे अंदर गए तो पाया कि अंदर कमरों व अलमारी का लॉकर भी टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। इस पर उन्होंने इस बारे डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

प्री मानसून की आहट से जागा जनस्वास्थ्य विभाग

मानसून के बीच जनस्वास्थ्य विभाग करवाएगा सीवरेज लाइनों की सफाई

25 साल के तीन टैंडर जारी, प्रक्रिया जारी सफाई शुरू होने में लगेगा समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद में प्री मानसून की आहट से सहमे जनस्वास्थ्य विभाग को आखिरकार सीवरेज के मेनहोल की सफाई की याद आ गई। पिछले एक साल से सफाई के लिए इंतजार कर रहे शहरवासियों को भी हैरत होगी कि मानसून के बीच जनस्वास्थ्य विभाग ने सीवरेज मेनहोल की सफाई करवाएगा। इसके लिए विभाग ने 25 लाख के 3 टैंडर जारी किए हैं। फतेहाबाद शहर में बरसाती पानी की निकासी के लिए विभाग ने 3 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन डाली हुई है। इसी लाइन के लिए विभाग ने टैंडर जारी किया है जोकि अभी तक खुला नहीं है। टैंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इस लाइन की सफाई का काम शुरू हो पाएगा। बता दें कि 19 जून के अंक में 'हरिभूमि' ने 'मानसून का सीजन सिर पर, गंदगी से अटे नाले, कैसे होगी बरसाती पानी की निकासी' शीर्षक से इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था। शहर में 132 किलोमीटर सीवरेज की लाइन बिछी हुई है, जिसकी सफाई जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मानसून से पहले करनी होती है। जनस्वास्थ्य विभाग हर वर्ष सफाई के नाम पर खानापूर्ति करता है। इस बार तो उन्हें लोकसभा चुनाव की आचार सहिंता लगे होने का गजब का बहाना भी मिल गया। विभाग के एसडीओ सतपाल रोहज के अनुसार सीवरेज लाइनों की सफाई के लिए टैंडर अलॉट कर दिया है। अगले कुछ दिनों में सफाई का काम शुरू हो जाएगा। अब एसडीओ की बात करें तो कब टैंडर खुलेगा, कब प्रक्रिया पूरी होगी और उसके बाद ही होगा सफाई का काम शुरू। तब तक मानसून पूरे यौवन पर होगा। नगरपरिषद के प्रधान राजेन्द्र खिंची ने इस बारे में बड़ी गंभीरता से सवाल उठाया है कि जनस्वास्थ्य विभाग के पास सीवरेज सफाई के लिए सुपर सकर मशीन ही नहीं है। वह इस सम्बंध में एससी को भी पत्र लिख चुके हैं। अगर मशीन नहीं होगी तो सीवरेज के ब्लॉक कैसे साफ होंगे। उन्होंने कहा कि अब तक सिरसा से मशीन मंगवाई जाती है। क्यों न विभाग स्वयं की मशीन खरीदें और दिन-रात इसे सफाई के काम में लगाया जाए। पार्षद एवं नागरिक अधिकार मंच के पूर्व संयोजक मोहन लाल नारंग ने कहा कि शहर में कई साल पहले सीवरेज लाइन डाली गई थी। शहर की आबादी बढ़ने के साथ-साथ यह सीवरेज लाइन छोटी पड़ गई। बारिश के दिनों में सीवरेज लाइनें ओवरफ्लो हो जाती है। बरसाती पानी निकासी के लिए अलग से कोई व्यवस्था नहीं है। इसी सीवरेज लाइन के माध्यम से ही बरसाती पानी की निकासी होती है। विभाग को चाहिए कि समय से पहले सीवरेज लाइनों की सफाई करवाए ताकि शहरवासियों को मानसून के दिनों में परेशानियों का सामना न करना पड़े।

फतेहाबाद। शहर में सीवरेज लाइन की सफाई करती सिरसा से मंगवाई गई सुपर सकर मशीन। फोटो : हरिभूमि

कुछ मिनटों में ब्लॉकेज खोल देती है सुपर सकर मशीन, इसकी सख्त जरूरत

इस बार शहर के थाना रोड, जवाहर चौक, डीएसपी रोड, 4 मरला कालोनी, धर्मशाला रोड के अलावा शहर की गलियों में अभी भी सीवरेज मेनहाल ऊपर तक अटे पड़े हैं। विभाग जितने भी दावे कर लें लेकिन यह मानसून तक साफ नहीं हो सकते। हालांकि सीवरेज की ब्लॉकेज को खोलने के लिए सिरसा से सुपर सकर मशीन मंगवाई है जो कुछ मिनटों में ही सीवरेज की ब्लॉकेज को खोल देगी और उसमें फंसे पत्थर, कंकर आदि को पलभर में ही बाहर निकाल देगी। क्योंकि कई बार सीवरेज में ईंट, पत्थर, पॉलीथिन व अन्य चीजें बुरी तरह से फंस जाती है। जिसे आम मशीन से नहीं निकाला जाता है और किसी कर्मी को भी सीवरेज में उतारना साफ मना है। ऐसे में सुपर सकर मशीन काम करेगी। जिससे यह फायदा होगा कि बारिश के दौरान अगर कही सीवरेज ब्लॉकेज हो जाता है तो कम समय में ही सुपर सकर मशीन से उसे खोल दिया जाएगा।

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 15 सितंबर तक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नाम पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए गृह मंत्रालय की ओर से ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की है। नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि नामांकन करने वाले व्यक्ति एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र जिसमें अनुसंशित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अनन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख हो, प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग लोगों तथा समाज की निस्वार्थ सेवा करने वाले लोगों में से उन प्रतिभावान व्यक्तियों की पहचान हेतु मिलकर प्रयास किये जाये, जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में सम्मान की हकदार हैं। डीसी ने बताया कि कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं।

हमें अपने बच्चों को महापुरूषों के जीवन से परिचित करवाना चाहिए : बबली

टोहाना। विधायक व पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने गांव ठरवी में संत कबीर दास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने गांव जमालपुर शेखां में बाबा पीर शादक शाह जी के वार्षिक भंडारे में भी भाग लिया और दरगाह पर माथा टेका। पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि भारत देश में समय-समय पर महापुरूषों ने जन्म लेकर जाती-पाति के भेदभाव को दूर करने के साथ सामाजिक उत्थान का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि हमें उनके दिखाए रास्तें पर चलते हुए अपने जीवन को सफल बनाए। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को महापुरूषों के जीवन चरित्र से परिचित करवाना चाहिए, जिससे कि वह नैतिक रूप से मजबूत, नशे व अपराध से दूर रहे। गांव ठरवी में देवेंद्र सिंह बबली ने ए.सी. चौपाल का उदघाटन भी किया। उन्होंने कहा कि इस चौपाल के निर्माण से सभी को लाभ मिलेगा। उनकी कोशिश है कि समाज में प्रत्येक वर्ग को उसका हक मिले जिसके लिए वो लगातार प्रयास कर रहे है।

करोड़ों रुपये के चावल घोटाले की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

जरनैल सिंह मलवाला।

- करोड़ों रुपये के चावल घोटाले की उच्चतम न्यायालय के सिटिंग जज से करवाई जाए जांच

भारतीय किसान यूनियन खेती बचाओ के प्रदेश अध्यक्ष जरनैल सिंह मलवाला, महासचिव राजविंदर सिंह चाहल व प्रदेश प्रवक्ता राम जाट ने आज यहां बयान जारी कर देश भर में गरीबों को दिए जाने वाले चावल को लेकर किए गए हजारों करोड़ों रुपए के घोटाले की उच्चतम न्यायालय के सिटिंग जज से जांच करवाए जाने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष जरनैल सिंह वा अन्य किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा गरीबों को कम रेट पर भारत ब्रांड योजना के तहत जो चावल ओपन मार्केट के माध्यम से आधार कार्ड पर उपलब्ध करवाया जाना था, वह अधिकारियों और राइस मिल मालिकों की मिली भगत के कारण किसी भी गरीब को नहीं मिल पाया। उस पर बड़े लेवल पर घोटाला कर उक्त चावल को एफसीआई के गोदाम से निकलकर वापस मिल मालिकों को ही उनका घाटा पूरा करने के लिए सौंप दिया गया है जो की निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस हजारों करोड रुपए के घोटाले में बड़े पूंजीपतियों के अलावा सरकार के बड़े नेताओं का भी हाथ हो सकता है इसलिए इस बड़े घोटाले की सीबीआई से जांच करने की बजाय उच्चतम न्यायालय के सिटिंग जज से जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार द्वारा इस घोटाले पर कड़ा एक्शन नहीं लिया गया।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे पर गांव दरियापुर के पास हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने तमिलनाडू के ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में सिरसा के गांव खैरपुर निवासी राजेन्द्र सिंह ने कहा है कि गत दिवस वह अपनी गाड़ी लेकर सिरसा से हिसार गया था। हिसार से लोहा चैनल पाइप गाड़ी में लोड करके वह वापस सिरसा आ रहा था। जैसे ही वह नेशनल हाइवे पर गांव दरियापुर के पास पहुंचा तो उसकी गाड़ी खराब हो गई। इस पर उसने गाड़ी में लोड पाइपों को हाइवे के डिवाइडर पर उतार दिया और गाड़ी ठीक करवाने फतेहाबाद आ गया। उसने मदद के लिए अपने भाई प्रदीप सिंह को सिरसा से बुलवा लिया। गाड़ी ठीक करवाकर वह वापस दरियापुर के पारस रिसोर्ट्स के पास पहुंचा।

पुलिस 24 घंटे कर रही समस्याओं का समाधान

- एसपी की अनूठी पहल, देर रात्रि तक रानियां थाना में बैठ कर शिकायतों का किया समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने एक अनूठी पहल शुरू की है, अब वे स्वंय देर रात्रि तक थानों में बैठकर शिकायतों का निवारण करेंगे ताकि पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

फरियाद लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई कर उन्हे शीघ्र न्याय दिलवाना पुलिस की पहली प्राथमिकता है ताकि पुलिस के पास आने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करें तथा समाज में विभाग की एक बेहतर छवि नजर आए। यह बात पुलिस अधीक्षक विक्त्रांत भूषण ने रानियां थाना में पहुंचने के उपरांत देर रात तक विभिन्न शिकायतों का निवारण करने के उपरांत कही। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि फरियादियों के लिए पुलिस के द्वारा 24 घंटे खुले रहते हैं, इसलिए वे किसी भी समय आकर अपनी शिकायत के संबंध में पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुबह 9 बजे से लेकर 11बजे तक समाधान शिविर में पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें सुनकर उनका निवारण किया जाता है। इसके अलावा कोई भी फरियादी किसी भी समय पुलिस से संपर्क कर सकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते करीब 10 माह की अवधि के दौरान जिला पुलिस की ओर से 11400 शिकायतों का निवारण किया जा चुका है, जो अपने आप में एक मिशाल है। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने 10 महत्वपूर्ण जिला पुलिस का कैरियर संभाला था और थाना तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निवारण के लिए खड़ा संज्ञान लेते हुए समस्याओं के समाधान के लिए विशेष मुहिम शुरू की गई थी।

सिरसा। रानियां थाना में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करते एसपी। फोटो : हरिभूमि

ट्रैफिक पुलिस ने अभियान चलाकर की वाहनों की जांच

बाइक चोरी की घटनाएं बढ़ने से सड़क पर उतरी खाकी

- दो बाइक के दस्तावेज न मिलने पर चालान कर इंपाउंड किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

शहर में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। पिछले कुछ दिनों में शहर में लगभग आधा दर्जन बाइक चोरी हो गई है, लेकिन न तो इन घटनाओं पर अंकुश लग पा रहा हैं और न ही चोर पकड़े जा रहे हैं। बीते दिन शुक्रवार को फिर से एक बाइक चोरी होने के बाद जाखल पुलिस हरकत में आ गई है। इसे लेकर शहर पुलिस ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अब नई योजना तैयार की है। इसके तहत जहां एक ओर पुलिस ने पीसीआर गश्त बढ़ाने का फैसला लिया है, वहीं यातायात पुलिस द्वारा शहर में विभिन्न जगह नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग का कार्य शुरू कर दिया है। शनिवार को ही ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से पुलिस ने शहर के बीच और शहर से गुजरते मुख्य मागार्ें पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई और वाहनों के दस्तावेज भी चेक किए गए। इस दौरान ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए हैं। पुलिस द्वारा मुख्य बाजार में गश्त बढ़ाने के साथ ही शहर के बलरां, कड़ेल और बुढलाड़ा मार्ग पर नाकेबंदी कर वाहनों की जांच की गई। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के चंडीगढ़ रोड पर नाकेबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन करने वाले वाहनों के चालान किए गए। इस जांच अभियान में दो स्प्लेंडर डीलक्स बाइक के कोई भी कागजात न पाए जाने पर दोनों बाइकों के 12-12 हजार रुपए के चालान कर दोनों बाइक को इंपाउंड कर किया गया। ट्रैफिक पुलिस टोहाना के इंचार्ज बसाऊ राम ने बताया कि जिला एसपी आस्था मोदी के दिशा-निर्देशों पर यातायात पुलिस द्वारा निरंतर क्रम से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा हैं। जाखल शहर में बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं के मद्देनजर जाखल थाना प्रभारी के हस्तक्षेप से शनिवार को शहर में चंडीगढ़ रोड पर ट्रैफिक पुलिस ने अभियान के तहत वाहनों की चेकिंग की है, जिसमें मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन करने वाले, बिना सीट बेल्ट, ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट, वाहनों के कागजात में खामियां पाए जाने पर कुल 32 वाहनों के चालान काटे गए हैं, वहीं बाइक के कोई दस्तावेज न मिलने पर दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के कुल 24 हजार रुपए के चालान कर दोनों बाइक को जब्त भी किया गया है। उन्होंने बताया कि उनका यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा। ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वाले किसी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जाखल। वाहनों के चालान करते यातायात पुलिस

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

जाखल थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने कहा कि शहर में बाइक चोरी की घटनाएं बढ़ रही है। इसे लेकर पुलिस द्वारा गश्त को बढ़ाया जाएगा, वहीं ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से वाहनों की चेकिंग का अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जाखल कस्बा पंजाब क्षेत्र के साथ सटा हुआ है। ऐसे में पंजाब क्षेत्र को जाने वाले मागार्ें पर भी पुलिस द्वारा नाकाबंदी कर दी गई है। उन्होंने आमजन से अपील की कि बाइक को खड़ा करते समय उसे लॉक अवश्य करें, लॉक न करने के चलते बाइक चोरी की घटनाएं होने का डर बना रहता है। उन्होंने कहा कि शहर में शांति व्यवस्था बनाये रखने को लेकर वह और उनकी पूरी टीम पूरी तरह से सक्रिय है। उन्होंने अप्रिय घटनाओं पर नकेल कसने के लिए शहरवासियों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

चातुर्मास के लिए जैन संतों का मंगल प्रवेश 17 जुलाई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

श्रमण संघीय सलाहकार दिनेश मुनि महाराज, डॉ. दीपेंद्र मुनि महाराज व डॉ. पुष्पेंद्र मुनि महाराज ठाणे-3 का रानियां एसएस जैन सभा में चातुर्मास के लिए प्रवेश 17 जुलाई को होगा। जैन सभा रानियां के उपप्रधान एवं प्रवक्ता नरेश जैन एडवोकेट ने बताया कि जैन संत सूरत से पदविहार करते हुए राजस्थान, दिल्ली व अन्य क्षेत्रों से होते सिरसा आ चुके हैं। आगामी 17 जुलाई को रानियां में चातुर्मास 2024 के लिए मंगल प्रवेश करेंगे। उन्होंने बताया कि रानियां जैन समाज के पदाधिकारियों ने एसएस जैन सभा के प्रधान बहादर जैन की अगुवाई में फतेहाबाद में जैन संतों के दर्शन किए। जैन मुनि दिनेश मुनि महाराज ने कहा कि शाश्वत सत्य ही धर्म है। धर्म को धारण करने वाला मनुष्य निर्भय हो जाता है। सत्य धर्म को जीवंत रखने के लिए दया-दान का महत्व है। इस अवसर पर जैन सभा रानियां के संरक्षक राजकुमार जैन, चेयरमैन सुरेंद्र जैन, प्रधान बहादर जैन, उपप्रधान नरेष जैन, महामंत्री सोमप्रकाष जैन, कोशाध्यक्ष इन्द्रजीत जैन आदि मौजूद रहे।

डिजिटल ठग कर सकते हैं कंगाल, रहें सावधान

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

●

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

● शेयर मार्केट में पैसा लगाने से पहले एक बार जरूर विचार करें ● एनएसई ने भी इंस्टाग्राम व टेलीग्राम के हैंडल्स से किया सतर्क ● निवेशक डब्बा और इलीगल ट्रेडिंग से भी सावधान रहें

अलर्ट

विनोद कौशिक

अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो कुछ बातें पल्ले बांध लें, वरना भारी नुकसान हो सकता है। सबसे जरूरी तो निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय कर लें और सधी शुरूआत करें। निवेश करने के लिए पहले बाजार के बारे में जान लें, किताबें पढ़ें, अखबार पढ़ें या बाजार के जानकारों से सलाह भी ले सकते हैं, लेकिन निवेश अपनी समझदानी से ही करें। निवेश के लिए डिजिटल मचों के झांसे में न आएं, ये आपको कंगाल कर सकते हैं। खासकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम चैनल्स के टिप्स लेकर निवेश करने से बचें। ये मंच आपको बड़ा चूना लगवा सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें और खुद रिसर्च करने के बाद ही बाजार में उतरें। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने भी निवेशकों को उस इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनल के प्रति आगाह किया है जो निवेश से संबंधित टिप्स देने का दावा करते है। एक्सचेंज ने निवेशकों को डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग के माध्यम से ट्रेडिंग सर्विसेज प्रदान करने वाली एंटिटी के खिलाफ भी चेतावनी दी।

एनएसई की चेतावनी

एनएसई ने 'बीएसई_एनएसई_लेटेस्ट' नाम के इंस्टाग्राम हैंडल और टेलीग्राम चैनल 'भारत ट्रेडिंग यात्रा' के खिलाफ चेताया है। जो ट्रेडिंग के लिए सिक्योरिटीज मार्केट टिप्स प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के ट्रेडिंग अकाउंट्स को हैंडल करने की पेशकश कर रहे हैं। निफ्टी ने अवैध ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नंबर भी शेयर किए हैं।

एक अन्य रिलीज में यह कहा

एक रिलीज में एक्सचेंज ने 'बेयर एंड बुल प्लेटफॉर्म' और 'ईजी ट्रेड' से जुड़े आदित्य नाम के शख्स का जिक्र किया जो डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग सर्विसेज मुहैया कराता है। एक्सचेंज ने इसके दो मोबाइल नंबर-8485855849 और 9624495573 भी पब्लिक किए हैं। एनएसई का कहना है कि यह शख्स एनएसई के किसी रजिस्टर्ड मेंबर के ऑथराइज्ड मेंबर या खुद किसी मेंबर के रूप में रजिस्टर्ड नहीं है।

रियल एस्टेट निवेश

रियल एस्टेट से जुड़े निवेश के जरिए जल्दी पैसे कमाने का वादा निवेशकों को लुभाता रहता है। रियल एस्टेट निवेश घोटाले निवेशकों के लिए हमेशा से एक जाल रहे हैं। राज्य प्रतिभूति विनियामक निवेशकों को रियल एस्टेट निवेश सेमिनारों के बारे में सावधान करते हैं, खासकर उन सेमिनारों के बारे में जिन्हें स्टॉक, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड से जुड़ी अधिक पारंपरिक सेवानिवृत्ति योजना रणनीतियों के विकल्प के रूप में आक्रामक रूप से विपणन किया जाता है। इन सेमिनारों में उपस्थित लोगों को ऐसे लोगों के प्रशंसापत्र सुनने को मिल सकते हैं जो दावा करते हैं कि उन्होंने रियल एस्टेट में साधारण निवेश के माध्यम से अपनी आय दोगुनी या तिगुनी कर ली है, लेकिन ये दावे हवा-हवाई हो सकते हैं। सबसे लोकप्रिय निवेश पिचों में से दो तथाकथित हार्ड-मनी लेंडिंग और प्रॉपर्टी फ्लिपिंग शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार दुनिया में चौथे नंबर पर

बता दें कि भारत ने हांगकांग से चौथे सबसे बड़े ग्लोबल इक्विटी बाजार का टैग वापस ले लिया है। देश का मार्केट कैप बढ़कर 5.21 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। हांगकांग शेयर बाजार का मार्केट कैप 5.17 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह भारत दुनिया को चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

क्रिप्टोकरेंसी निवेश

2017 में क्रिप्टोकरेंसी निवेश की मुख्यधारा में आ गई, क्योंकि बिटकॉइन के नेतृत्व में कुछ आभासी सिक्कों और टोकन के मूल्य आसमान छू गए। इसके तुरंत बाद, समाचारों में नई क्रिप्टोकरेंसी, कॉइन एक्सचेंज और संबंधित निवेश उत्पादों की कवरेज दिखाई दी। क्रिप्टो करोड़पतियों की कहानियों ने कुछ निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी या क्रिप्टो-संबंधित निवेशों में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। लेकिन बड़ी बाजी लगाने और हारने वालों की कहानियां भी सामने आने लगीं और लगातार सामने आ रही हैं। क्रिप्टो क्रेज में कूदने से पहले, ध्यान रखें कि क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पाद पोंजी योजनाओं और अन्य धोखाधड़ी के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मुखौटे से ज़्यादा कुछ नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये उत्पाद मौजूदा संघीय/राज्य नियामक ढांचे में ठीक से नहीं आते हैं, इसलिए इन उत्पादों के प्रमोटरों के लिए आपको ठगना आसान हो सकता है। तदनुसार, क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पादों में निवेश को इस रूप में देखा जाना चाहिए। नुकसान के उच्च जोखिम के साथ अत्यधिक जोखिम भरा सट्टा।

निवेश धोखाधड़ी के प्रकार

उच्च ब्याज दरों का वादा

अक्सर देखने में आता है कि कम ब्याज दरों के माहौल में, उच्च ब्याज वाले वचन-पत्रों का वादा निवेशकों को लुभा सकता है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और निश्चित आय पर जीवन-यापन करने वाले अन्य लोगों को। वचन पत्र भविष्य में किसी निश्चित समय पर या मांग पर एक निश्चित राशि का भुगतान (या पुनर्भुगतान) करने का लिखित वादा है। वचन पत्र आम तौर पर नोट की परिपक्वता से पहले या परिपक्वता के समय समय-समय पर ब्याज देते हैं। कंपनियां पूंजी जुटाने के लिए वचन पत्र बेच सकती हैं, और आमतौर पर उन्हें केवल परिष्कृत या संस्थागत निवेशकों को ही देती हैं। लेकिन सभी वचन पत्र इस तरह से नहीं बेचे जाते हैं। इसलिए ऐसे वचन पत्रों से सावधान रहने की जरूरत है।

पोन्ज़ी योजनाएं

पोन्जी योजना (जिसका नाम 1920 के ठग चार्ल्स पोन्जी के नाम पर रखा गया) एक चाल है, जिसमें पहले के निवेशकों को बाद के निवेशकों द्वारा जमा किए गए धन के माध्यम से भुगतान किया जाता है। चार्ल्स पोन्जी ने अंतर्राष्ट्रीय डाक उत्तर कूपन पर आर्बिट्रेज लाभ से 40 प्रतिशत रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 10 मिलियन डॉलर ठगे थे। पोंजी स्कीम में, अंतर्निहित निवेश दावे आमतौर पर पूरी तरह से काल्पनिक होते हैंऔर बहुत कम, यदि कोई हो, तो वास्तविक भौतिक संपत्ति या निवेश आम तौर पर मौजूद होते हैं। जैसे-जैसे कुल निवेशकों की संख्या बढ़ती है और संभावित नए निवेशकों की आपूर्ति घटती जाती है, वादा किए गए रिटर्न का भुगतान करने और उन निवेशकों को कवर करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता है जो नकद निकालने की कोशिश करते हैं। पोंजी बुलबुला तब फटेगा जब ठग निवेशकों को अपेक्षित भुगतान नहीं दे पाएगा। जब योजना ध्वस्त हो जाती है (जैसा कि हमेशा होता है), तो निवेशक धोखाधड़ी में अपना पूरा निवेश खो सकते हैं। कई मामलों में, अपराधी ने निवेश की गई राशि को निजी खर्चों पर खर्च कर दिया होगा, जिससे फंड खत्म हो जाएगा और बुलबुला फटने की संभावना बढ़ जाएगी।

पिरामिड योजनाएं

ये भी धोखाधड़ी वाली मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीति है, जिसके तहत निवेशक अधिक से अधिक अन्य निवेशकों को भर्ती करके संभावित रिटर्न कमाते हैं। मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीतियां आंतरिक रूप से धोखाधड़ी वाली नहीं हैं, और कई वैध मल्टी-लेवल मार्केटिंग कंपनियां हैं जो विभिन्न उपभोक्ता उत्पाद और सेवाएं प्रदान करती हैं। जो चीज बहु-स्तरीय विपणन रणनीति को धोखाधड़ी वाली पिरामिड योजना बनाती हैं, वह है वास्तविक अंतर्निहित निवेश उद्यम या उत्पाद का अभाव, जिसके आधार पर रणनीति को कायम रखने की उम्मीद की जा सके।

रिटर्न देने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं, बचाते हैं टैक्स

निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में चार ईएलएसएस फंडों ने 30,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। टैक्स-सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों में निवेश की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है जो आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

महंगाई के इस दौर में हर कोई कमाई के चक्कर में रहता है। कोई बाजार में निवेश करके कमाता है तो कोई मेहनत मजदूरी करके कमाई करता है। हर कोई कोई अपने सुनहरे भविष्य के लिए निवेश भी करता है। बाजार में निवेश करने के ढेरों तरीके हैं। सबके अपने-अपने लाभ और नुकसान हैं। कुछ लोग तो टैक्स बचाने के लिए भी निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंडों की बात करें तो ईएलएसएस फंड टैक्स बचाने और बढ़िया रिटर्न पाने का बेहतरीन तरीका हो सकते हैं। निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंडों का रिटर्न काफी अच्छा रहा है। करीब चार टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमों ने हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को इस अवधि में 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान लगभग 26 ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड मार्केट में हैं। टैक्स सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है कि जो आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। निवेशक इन स्कीमों में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स कटौती क्लेम कर सकते हैं। ईएलएसएस फंड तीन साल की लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं। इसलिए से अच्छा रिटर्न दे जाते हैं।

●

कई निवेशकों को सिर्फ 10 साल में बना दिया करोड़पति

●

चार टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमें कर रही मालामाल

●

ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती

●

30,000 की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ में बदला

अन्य स्कीमों का रटिर्न

⏭प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ी टैक्स-सेविंग स्कीम एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने इस अवधि में 30,000 करोड़ रुपये के मासिक एसआईपी को 75.43 लाख रुपये में बदल दिया। इसने 14.27 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग फंडों ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक निवेश को 69.34 लाख रुपये से 96.60 लाख रुपये के बीच बदला। इन स्कीमों ने 12.69% से 18.90% के बीच एक्सआईआरआर की पेशकश की।

एलएसएस फंड क्या हैं

ईएलएसएस फंड इक्विटी फंड हैं जो अपने कोष का एक बड़ा हिस्सा इक्विटी या इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। ईएलएसएस फंड को टैक्स सेविंग स्कीम भी कहा जाता है, क्योंकि वे आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत आपकी वार्षिक कर योग्य आय से 150,000 रुपये तक की कर छूट प्रदान करते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, ईएलएसएसफंड एक इक्विटी-उन्मुख योजना है जिसमें तीन साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि होती है। हाल के वर्षों में, कई करदाताओं ने कर लाभ प्राप्त करने के लिए ईएलएसएसयोजनाओं की ओर रुख किया है। यदि आप ईएलएसएसयोजनाओं में निवेश करते हैं, तो आप 150,000 रुपये की सीमा तक निवेश की गई राशि पर कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, तीन साल की अवधि के अंत में इस योजना के तहत आपको जो आय होगी, उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और उस पर 10% कर लगेगा (यदि आय 1 लाख रुपये से अधिक है)।

स्कीमों ने बनाया करोड़पति

⏭तेजी से करोड़पति बनाने वालों में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड कैटेगरी में सबसे ऊपर रहा है। इसने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.45 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसी अवधि में इस स्कीम ने 26.58% का एक्सआईआरआर दिया।

⏭बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.10 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसने 21.46 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭सबसे पुराने ईएलएसएस या टैक्स सेविंग फंड एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड ने इस दौरान 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.01 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसका एक्सआईआरआर 19.75% रहा।

⏭जेएम ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया। एक्सआईआरआर 19.60% रहा।

निवेश के दौरान प्रतिभूति बाज़ार की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम करें

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट और कमोडिटी आदि के बीच बांट देना। इससे आप बिना प्रभावित हुए अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

प्रतिभूति बाज़ार (स्टॉक मार्केट) में निवेश रोमांचक और भयभीत करने वाला हो सकता है, खासतौर पर नए निवेशकों के लिए। नए निवेशकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय होता है बाज़ार की अस्थिरता, जो बाज़ार भावों में उतार चढ़ावकी आवृत्ति और सीमा को दर्शाते हैं। दीर्घावधि निवेश में सफलता प्राप्त करने के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि बाज़ार भावों की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम किया जाए और उसे कैसे प्रबंधित किया जाए। आइए, हम चर्चा करते हैं कि कैसे एक निवेशक बाज़ार के उतार चढ़ावों सेअधिक प्रभावित हुए बिना आत्मविश्वासपूर्वक निवेश कर सकता है। अस्थिरता निवेश बाज़ार से संबंधी एक शब्द है जो बाज़ार भावों के अप्रत्याशित और तेज उतार चढ़ावों के समय को परिभाषित करता है। अधिकतर, इसे प्रतिफल के मानक विचलन और अस्थाई गिरावट से मापा जाता है। आमतौर पर उन निवेशकों के लिए जो दीर्घअवधि निवेशपर केंद्रित होते हैं, भावों का दैनिक विचलन इतनामायने नहीं रखता, किन्तु 15-20%+ की गिरावट, जो हर कुछ सालों में होती है, उनके डर का सबसे बड़ा कारण है। आइए समझें कि इससे कैसे निपटा जा सकता है।

विविधीकरण

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और कमोडिटी आदि के बीच बाँट देना। यह रणनीति जोखिम को कम कर सकती है,क्योंकि अलग अलग एसेट वर्ग कई बार समान परिस्थिति में अलग प्रदर्शन करते हैं। म्यूचुअल फंड एक ही स्टॉक में निवेश के जोखिम को कम करते हैं, और संपत्ति का आवंटन संपत्ति वर्ग के जोखिम को। परंतु दोनों के माध्यम से, निवेशक अस्थिरता के प्रभाव को व्यापक तौर पर कम कर सकते हैं। इसके दूसरे तरीकों में शामिल हैं।

हाइब्रिड फंड: यह फंड ऋण और इक्विटी निवेशों का मिश्रण होते हैं। ऋण का इक्विटी के साथ मिश्रण हाइब्रिड (मिश्रित) फंडों को वृद्धि और स्थिरता संतुलित करने में सक्षम बनाता है। ऐतिहासिक रूप से,हाइब्रिड रणनीतियों ने तुलनात्मक रूप से अस्थिरता को प्रभावी रूप से कम करते हुए स्थिर प्रतिफल प्रदान किये हैं।

मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो : हायब्रिड फंडों से भी एक कदम आगे, मल्टी-एसेट पोट्फोलीओ इक्विटी, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, ऋण और सोने (गोल्ड) के मिश्रण से बने होते हैं। यह रणनीति विभिन्न ऐसेट वर्गों के बीच निम्न सहसंबद्धता बनाती है, जिससे एक ऐसा मजबूत पोट्फोलीओ बनता है, जो कम अस्थिरता के साथ इक्विटी निवेश के समान प्रतिफल देने में सक्षम होता है। ऊपर दी गई दोनों रणनीतियाँ कम जोखिम के साथ दीर्घ-अवधि में प्रतिफल देती हैं।

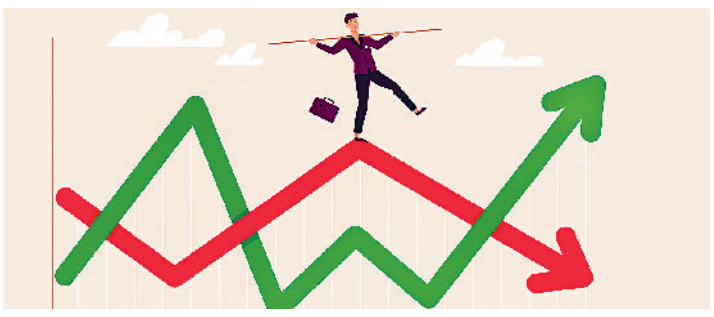

लो वोलेटिलिटी फैक्टर फंड

अस्थिरता कम करने के लिए एक अन्य रणनीति है, निम्न-अस्थिरता वाले लो-वोलेटिलिटी फैक्टर फंडों में निवेश करना। हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंडों, जिनमें निवेशकों को कम जोखिम के बदले प्रतिफल से समझौता करने की जरूरत पड़ सकती है, की तुलना में लो-वॉलेटिलिटी फंड कम अस्थिरता के साथ इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने का लक्ष्य रखते हैं। यह फंड ऐसे स्टॉक्स पर केंद्रित होते हैं जिनमें व्यापक बाजार के मुकाबले भावों का उतार चढ़ाव कम होता है, जिससे निवेश सुचारू रूप से होता है। लो- वॉलेटीलिटी इंडेक्स फंड: यह फंड उनकी पिछले समय की अस्थिरता के आधार पर स्टॉकों का चयन करते हैं, जिनका उद्देश्य ऐसा पोट्फोलीओ बनाना होता है, जिसमें भावों का तेज उतार चढ़ाव कम होता हो। लो-वॉलेटिलिटी फंडों ने पारंपरिक इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने की संभावना दिखाई है और इनमें जोखिम भीकम होता है। यह उन रूढ़िवादी निवेशकों के लिए आकर्षक फंड होते हैं, जो इक्विटी के समान प्रतिफल प्राप्त करना चाहते हैं।

निवेश दायरा बढ़ाना

जितने समय के लिए आप निवेश रोकते हैं, वह आप पर अस्थिरता के प्रभाव को प्रभावित करता है। लघु अवधि निवेश बाजार के उतार चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि दीर्घ अवधि के लिए किए गए निवेश से इन उतार चढ़ावों का प्रभाव कम हो जाता है, जिससे व्यापक रूप से जोखिम कम होता है।

निवेश दायरा: शोधों से पता चलता है कि प्रतिफल की अस्थिरता लंबी निवेश अवधि के साथ कम होती जाती है। उदाहरण के लिए, 1-6 वर्षों की शुरुआती अवधि के लिए प्रतिफल की अस्थिरता महत्वपूर्ण रूप से उच्च होती है परंतु यह 6 से 7 वर्षों के बाद महत्वपूर्ण रूप से कम भी हो जाती है। यहाँ तक कि उच्च रूप से अस्थिर माइक्रो कैप स्टॉक्स भी निवेश अवधि बढ़ाने पर कम प्रतिफल अस्थिरता दर्शाते हैं।

एसआईपी में निवेश: बाज़ार परिस्थितियों पर ध्यान न देते हुए नियमित रूप से निवेश भी अस्थिरता के प्रभाव को कम कर सकता है। यह योजनाएं भाव कम होने पर अधिक शेयर खरीदने और भाव बढ़ने पर कम शेयर खरीदने की स्वतंत्रता देती हैं, जिससे कि समय के साथ साथ खरीद की लागत औसत होती जाती है।

बाज़ार रुझानों पर कम ध्यान देना

बाज़ार के लघु अवधि के रुझानों पर ध्यान देने से अस्थिरता का प्रभाव व नुकसान, दोनों की मात्रा अधिक हो सकती है। इसके स्थान पर, एक दीर्घ-अवधि निवेश रणनीति पर ध्यान दें और बाज़ार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होकर आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचें।

मार्केट टाइमिंग जोखिम: शोध से पता चलता है कि ऐसेट आवंटन निर्णय मार्केट टाइमिंग या व्यक्तिगत सिक्युरिटी चयन की तुलना में दीर्घ अवधि निवेश प्रदर्शनों को अधिक प्रभावित करते हैं। इसलिए, अच्छी सोची समझी एसेट आवंटन रणनीति मार्केट टाइमिंग के अनुसार निर्णय लेने के मुकाबले बेहतर परिणाम दे सकती है।

सामयिक पोर्टफोलियो समीक्षा

नियमित रूप से पोट्फोलीओ की समीक्षा अनिवार्य है, परंतु अपने निवेशों की समीक्षा बार बार करने से बचना भी महत्वपूर्ण है। अधिक बारसमीक्षा करने से भावनात्मक निर्णय लेने की संभावना बढ़ जाती है और अस्थिरता से प्रभावित होने की भी।

समीक्षा आवर्तन: आवधिक समीक्षा, जैसे त्रैमासिक या अर्द्धवार्षिक, की सलाह दी जाती है। यह तरीका दीर्घ अवधि लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए मदद करता है और लघु अवधि उतार चढ़ाव के कारण होने वाली चिंता कम कम करता है।

निष्कर्ष: स्टॉक बाज़ार में अस्थिरता का प्रभाव कम करने की रणनीतियों में जानकारी युक्त निर्णय लेना, निवेश का विविधीकरण, निवेश दायरा बढ़ाना, बाज़ार रुझानों पर ध्यान न देना, पोर्टफोलियो की सामयिक समीक्षा और लो-वॉलेटिलिटी फैक्टर फंडों पर ध्यान देना शामिल है। इन रणनीतियों को अपनाकर, बाज़ार में निवेश कर सकते हैं।

(लेखक पैसिव फंड व्यवसाय, मोतीलाल ओसवाल एएमसी के प्रमुख हैं)

कई म्यूचुअल फंड स्कीमों ने निवेशक कर दिए मालामाल

23 स्कीमों में एक साल में मिला 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न
क्वांट वैल्यू फंड 75.85% रिटर्न के साथ पहले स्थान पर रहा
क्वांट मिड कैप फंड 74.72% रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर

सुझाव

बिजनेस डेस्क

इस साल म्यूचुअल फंड की स्कीमों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इन स्कीमों ने 60 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड की 23 स्कीमों ने 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। रिपोर्ट में किए गए विश्लेषण में 249 इक्विटी म्यूचुअल फंडों को शामिल किया गया था, जिन्होंने बाजार में एक साल पूरा कर लिया है। सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले दो फंड क्वांट म्यूचुअल फंड के थे। इसमें क्वांट वैल्यू फंड सबसे ऊपर रहा, जिसने पिछले एक साल में 75.85 फीसदी रिटर्न दिया। इसी अवधि में क्वांट मिड कैप फंड ने 74.72 फीसदी रिटर्न दिया। आईटीआई मिड कैप फंड ने पिछले एक साल में 72.53 फीसदी रिटर्न दिया। बंधन स्मॉल कैप फंड और जेएम मिडकैप फंड ने इसी अवधि में 71.45 फीसदी और 70 फीसदी रिटर्न दिया। क्वांट स्मॉल कैप फंड और महिंद्रा मनुलाइफ स्मॉल कैप फंड ने एक साल में 66.42% और 66.04% रिटर्न दिया। जेएम म्यूचुअल फंड की दो स्कीमों-जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और जेएम वैल्यू फंड ने पिछले एक साल में 64.40% और 64.23% रिटर्न दिया। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने इसी अवधि में 60.98% रिटर्न दिया। मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड से इसी अवधि में 60.89% और 60.79% रिटर्न मिला। ध्यान देने वाली बात यह है कि किसी भी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी की सबसे बड़ी स्कीमों ने पिछले एक साल में 60% से ज्यादा रिटर्न नहीं दिया है।

पांच क्वांट म्यूचुअल फंड

बेहतर रिटर्न देने वाली इन 23 स्कीमों में से पांच क्वांट म्यूचुअल फंड और तीन-तीन जेएम म्यूचुअल फंड और एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की हैं। दो-दो महिंद्रा मनुलाइफ म्यूचुअल फंड और आईटीआई म्यूचुअल फंड से हैं। एक-एक स्कीम बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, इन्वेस्को म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड से हैं।

बाकी का कैसा प्रदर्शन

बाकी 226 इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने पिछले एक साल में 18.86% और 59.90% के बीच रिटर्न दिया। एचडीएफसी मिड-कैप अपॉर्चुनिटीज फंड ने इसी अवधि में 55.10% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा मिड कैप फंड है। प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़े ईएलएसएस फंड एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले एक साल में 29.48% रिटर्न दिया। पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने इसी अवधि में 36.83% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा फ्लेक्सी कैप फंड है।

सभी कटेगरी शामिल दे रही बढ़िया मुनाफा

विश्लेषण में सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी जैसे लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड कैप, लार्ज एंड मिड कैप, स्मॉल कैप, फोकस्ड फंड, ईएलएसएस, मल्टी कैप, वैल्यू और कॉन्ट्रा फंड शामिल किए गए थे। हालांकि यह ध्यान रखें की विश्लेषण के आधार पर निवेश या निकासी के फैसले नहीं लेने चाहिएं। निवेश का कोई भी फैसला लेने से पहले हमेशा अपनी जोखिम उठाने की क्षमता, निवेश की अवधि और लक्ष्य पर विचार करना चाहिए। इसके बाद ही निवेश के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। हर साल में अलग-अलग म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले बाजार के बारे में जानकारी जुटा लें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी और रिस्क भी खत्म होगा। हालांकि म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करना लाभकारी माना गया है। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आरगेट लंबा रखें, तभी अच्छा मुनाफा मिल सकेगा।

इन स्कीमों का दमदार प्रदर्शन

स्कीम	रिटर्न (%)
क्वांट वैल्यू फंड	75.85
क्वांट मिड कैप फंड	74.72
आईटीआई मिड कैप फंड	72.53
बंधन स्मॉल कैप फंड	71.45
जेएम मिडकैप फंड	70.00
क्वांट लार्ज एंड मिड कैप	68.10
बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप	67.21
आईटीआई स्मॉल कैप फंड	67.02
क्वांट स्मॉल कैप फंड	66.42
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड	66.04
इनवेस्को इंडिया फोकस्ड फंड	65.02
जेएम फ्लेक्सीकैप फंड	64.40
जेएम वैल्यू फंड	64.23
एचएसबीसी मिडकैप फंड	64.21
आईसीआईसीआई प्रू मिडकैप फंड	62.74
महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड	62.48
क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड	61.57
एचएसबीसी वैल्यू फंड	61.20
निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड	61.07
कोटक मल्टीकैप फंड	60.98
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	60.98
मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड	60.89
एचएसबीसी मल्टी कैप फंड	60.79

खबर संक्षेप

मंदिर के दान पात्र चोरी करने वाला दबोचा

सिरसा। ऐलनाबाद थाना पुलिस ने हनुमानगढ़ रोड़ पर स्थित एक मंदिर से दानपात्र चोरी की घटना को अंजाम देने वाले एक युवक को काबू कर लिया है। प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि पकड़े गए युवक की पहचान विजय कुमार पुत्र रामफल निवासी वार्ड नंबर 2 हनुमानगढ़ रोड, ऐलनाबाद जिला सिरसा के रूप में हुई है। ऐलनाबाद थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में मंदिर के पुजारी केवल शर्मा की शिकायत पर ऐलनाबाद थाना में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई ।

तार चोरी करने के मामले में आरोपी काबू

सिरसा। ऐलनाबाद थाना पुलिस ने गांव मिठी सुरेरा के एक खेत से ट्यूबवेल की केबल तार चोरी करने के मामले में आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से 60 फुट चोरी शुदा केबल तार बरामद कर ली है। इस संबंध में जानकारी देते हुए ऐलनाबाद थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जीत सिंह पुत्र काशी राम गांव मिटठी सुरेरां जिला सिरसा के रूप में हुई है।

लायंस क्लब सुप्रीम की कार्यकारिणी का गठन

डबवाली। लायंस क्लब सुप्रीम के सदस्यों की बैठक में इंद्रजीत गर्ग को क्लब का नया प्रधान चुना गया है। चौटाला रोड़ पर स्थित ओम होटल के सभागार हाल में आयोजित बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए नईं टीम का चयन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए क्लब के वरिष्ठ सदस्य संजय कटारिया ने अध्यक्ष पद के लिए इंद्रजीत गर्ग का नाम रखा व सभी ने आम सहमति से उन्हें नया प्रधान चुन लिया।

मुख्यमंत्री आवास योजना में 853 पात्र चिन्हित

सिरसा। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सिरसा जिले के 853 पात्र लाभार्थी चिन्हित कर लिए गए हैं। इन लाभार्थियों को सिरसा के सेक्टर 20 में प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए जिला नगर आयुक्त सुरेंद्र सिंह ने बताया कि किस लाभार्थी को कौन से नम्बर का प्लॉट मिलेगा, इसके लिए 24 जून को चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हाल में ड्रॉ निकाला जाएगा। इसके उपरांत 26 जून को रोहतक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्त्रम के दौरान वर्चुअल माध्यम से उन्हें प्लॉट के प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

विधायक ने पीर बाबा अकबर शाह मंदिर में टेका मत्था

रतिया। विधायक लक्ष्मण नापा ने शनिवार को पीर बाबा अकबर शाह मंदिर में सम्मिलित होकर मत्था टेका। उन्होंने साथ ही बाबा जी के चरणों में क्षेत्रवासियों व देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि और कल्याण की मन्नत मांगी। विधायक ने कहा कि पीर बाबा अकबर की कृपा हम सभी पर बनी रहे और सभी का कल्याण हो। उन्होंने कहा कि बाबा जी के दरबार में कोई खाली हाथ नही लौटते हर किसी की अपनी मुराद पूरी होती है। अन्य श्रद्धालुओं ने भी दरगाह पर मत्था टेकते हुए क्षेत्र की सुख शांति व समृद्धि की कामना की।

होटल का दरवाजा न खोलने पर की थी मारपीट

होटल संचालक के साथ ज्यादती को लेकर ओढ़ा में दुकानें रही बंद

दुकानदारों ने रोष स्वरूप थाने के गेट पर धरना प्रदर्शन करते हुए पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

सिरसा। पुलिस थाना ओढ़ा के गेट पर धरने पर बैठे दुकानदार।

होटल संचालक राजेन्द्र कुमार उर्फ बंटी व उसके कर्मचारियों के साथ की गई मारपीट व जान से मारने की धमकी के रोष स्वरूप सभी दुकानदारों ने दुकानें बन्द करके पुलिस थाना ओढ़ा के गेट पर धरना लगाकर जमकर नारेबाजी की। धरने में शामिल दुकानदारों को संबोधित करते हुए जनता अधिकार मोर्चा के प्रदेश सचिव करनैल सिंह ओढ़ा ने पूरी घटना विस्तार से बताते हुए कहा कि होटल संचालक राजेन्द्र कुमार बीती रात्रि अपने होटल पर काम करने वाले कर्मचारियों के साथ होटल बंद करके सो गए थे। रात को करीब 1 बजे एक फॉर्च्यूनर गाड़ी होटल पर आकर रूकी उसमे से एक व्यक्ति ने उतरकर होटल का दरवाजा खटखटाया। जिस पर कर्मचारी मनोज ने उसे होटल बंद होने की बात कही। जिसके बाद उस व्यक्ति ने तैश में आकर कहा कि वे जंडवाला जाटान के रहने वाले हैं। मनोज ने दरवाजा नहीं खोला तो वह होटल का गेट तोड़कर अंदर घुस आया और कर्मचारी मनोज को पीटने लगा। जिसके बाद मनोज ने शोर मचा कर दूसरे कर्मचारियों को बुलाया।

होटल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

मनोज ने बताया कि इसने मेरे से गल्ले की चाबी की मांग की और रजिस्टर में रखे 500 रुपए निकाल लिए। होटल संचालक बंटी उसे समझाते हुए बाहर लेकर गया, इसी धक्का मुक्की में वह व्यक्ति गमले पर गिर गया। उसके बाजू पर पहले से चोट लगी हुई थी। इसी दौरान गाड़ी से दो आदमी और बाहर आ गए लेकिन थोड़ी देर बाद वो सभी गाड़ी में सवार होकर चले गए और यह घटना होटल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। दूसरे दिन चोट लगा हुआ व्यक्ति अस्पताल दाखिल हो गया और उसने होटल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया। इसी बात को लेकर जब गांव के मौजिज व्यक्ति थाना प्रभारी अनिल कुमार से मिले तो उन्होंने कहा जांच करके कार्यवाही की जाएगी। पुलिस द्वारा ढीली करवाई के चलते दुकानदार इक्कठे होकर थाना परिसर में धरना प्रदर्शन करने लगे। सूचना पाकर डबवाली के डीएसपी जय भगवान मौका पर पहुंचे और धरने पर बैठे लोगों की बात को गोर से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि सीसीटीवी की फुटेज देखकर व दोनो पक्षों की पूरी बात सुनकर उसकी निष्पक्ष जांच करवाकर आपके साथ इन्साफ किया जाएगा और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बात पर सहमत होकर धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया और सभी दुकानदारों ने अपनी दुकानें खोल ली। इधर थाना प्रभारी अनिल सोढ़ी से बात किए जाने पर उन्होंने बताया कि दोनो पक्षों की ओर से एक दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है पूरी तरह जांच पड़ताल करने के उपरांत उचित करवाई की जाएगी।

पार्किंग फीस वसूली को लेकर विवाद

- एम्स के समीप लोगों ने किया धरना प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

सिरसा। एम्स के बाहर प्रदर्शन करते हुए लोग।

डबवाली से करीब 25 किलोमीटर दूर बठिंडा रोड पर स्थित इलाके के सबसे बड़े स्वास्थ्य संस्थान एम्स में पार्किंग के नाम पर लोगों से कथित रूप से अवैध वसूली हो रही है। यह आरोप चौटाला गांव के किसान नेता राकेश फोगड़िया व अन्य ने लगाते हुए एम्स के समीप धरना दिया व इस कथित वसूली के खिलाफ प्रदर्शन किया। किसान नेता राकेश फोगड़िया ने बताया कि एम्स में कुछ दिन पूर्व पार्किंग का ठेका दिया गया है। ऐसे में पार्किंग स्थल के आसपास यदि कोई व्यक्ति किसी कारणवश अपनी गाड़ी खड़ी कर दे तो ठेकेदार के आदमी उस गाड़ी को उठाकर ले जाते हैं। जिस व्यक्ति की यह गाड़ी होती है उसका 300 रुपए का चालान काटते हैं और उसे घंटों परेशान करते हैं। राकेश फोगाड़िया के मुताबिक यहां तक की कोई व्यक्ति लंगर लेने के लिए भी गाड़ी रोक ले तो उसका भी चालान काट देते हैं। उन्होंने बताया कि पूरे एरिया में कहीं भी किसी प्रकार की चेतावनी का कोई साइन बोर्ड नहीं लगा। ठेकेदार के आदमी मनमानी करते हुए पैसे वसूलने में लगे हैं। उन्होंने बताया कि डबवाली से बड़ी तादाद में लोग एम्स जाते हैं और उनके साथ न केवल पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली की जाती है बल्कि दुर्व्यवहार भी किया जाता है।

सुरेश रंगा सर्वसम्मति से बने हजरस के जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन सिरसा में हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ (हजरस) की जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए शनिवार को चुनाव हुए। इस चुनाव में सर्वसम्मति से सुरेश रंगा को जिलाध्यक्ष व शंकरलाल मेहरा को जिला सचिव निर्वाचित किया गया। चुनाव प्रक्रिया को पूर्ण करवाने के लिए राज्य से आए डॉ. दिनेश कुमार निंबड़िया रा'य प्रदेश अध्यक्ष, चंद्रमोहन राज्य महासचिव, राजेश कुमार पेटवाड़ राज्य उपाध्यक्ष, शमशेर दहिया वरिष्ठ सदस्य की मौजूदगी में चुनाव कार्य को संपन्न किया गया। दिनेश निंबड़िया ने सिरसा जिला के चुनाव में लोगों की भागीदारी देखकर सिरसा संगठन व सदस्यों की भरपूर तारीफ की। इस मौके पर नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष सुरेश रंगा व जिला सचिव शंकर मेहरा ने राज्य कार्यकारिणी से आए सदस्यों द्वारा करवाए गए निष्पक्षपूर्ण चुनाव की सराहना की और संगठन को और अधिक मजबूत करने व सबको साथ लेकर चलने का विश्वास दिलाया। इस मौके पर छबीलदास, रमेश आलड़िया, धर्मेंद्र, राजेंद्र, सुरेश परिहार, राधाकृष्ण पटेल, अश्विनी, देव मित्र, रविदास, राय सिंह, रविंद्र, हरपाल, कुलदीप, रविंद्र चौहान, जयवीर, किरण, राजू कौर, एडवोकेट रविंद्र बालियान मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया वार्षिक मेला

रतिया। गांव बोड़ा में पीर बाबा का वार्षिक मेला धूमधाम से मनाया गया। मेले में आसपास व दूरदराज से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पीर बाबा की दरगाह पर माथा टेककर मन्नतें मांगी है। मेले में बोड़ा के अलावा नंगल, बलियाला, लाली, रतिया, रतनगढ़, मिराना, खाई, सरदारेवाला आदि गांवों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मेले में मुख्य रुप से पहुंचे पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के कन्वीनर मनदीप नथवान व कमेटी सदस्य सुखदीप रंधावा को कमेटी सदस्यों द्वारा सिरोपे भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पीर बाबा अब्बदूल फैज सोसायटी के प्रधान रजवंत सिंह, सुबेग सिंह, मिटठू सिंह, पूर्ण चंद, बलदेव सिंह, गुरदियाल सिंह, बलवीर व कुलवंत आदि उपस्थित थे।

न्याय न मिलने तक जारी रहेगी जंग: अठवाल

- वर्ष 2016 में होमगार्ड विभाग से दर्जनों जवानों को नौकरी से हटा दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। पत्रकारों से बात करते हुए ऑल इंडिया होमगार्ड वेल्फेयर एसोसिएशन के जिला प्रधान विनोद कुमार अठवाल।

हरियाणा में होमगार्ड विभाग में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। गृह मंत्री से लेकर विजीलेंस तक शिकायत के बाद भी मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया गया है, जोकि अधिकारियों की कारगुजारी को स्पष्ट दर्शा रहा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू की गई जंग तब तक जारी रहेगा, जब तक आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होती। यह आरोप ऑल इंडिया होमगार्ड वेल्फेयर एसोसिएशन के जिला प्रधान विनोद कुमार अठवाल ने मीडिया से बातचीत करते लगाए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में होमगार्ड विभाग से बिना किसी कारण दर्जनों जवानों को नौकरी से हटा दिया गया। उस समय उपायुक्त ने एक पत्र जारी कर आदेश दिए थे कि नई भर्ती न कर पुराने कर्मचारियों को ही दोबारा से नौकरी पर रख जाए, लेकिन विभाग के अधिकारियों ने मिलीभगत कर नजराना लेकर नए कर्मचारियों को नौकरी पर रख लिया, जबकि निकाले गए कर्मचारी बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। रोजगार का साधन न होने के कारण उनके सामने परिवार की रोजी रोटी का भी संकट खड़ा हो गया है। विनोद कुमार ने बताया कि विभाग में कार्यरत विनोद कुमार, जिसपर कई केस भी दर्ज है, लेकिन अभी तक उसके खिलाफ विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई हीं हुई है। कार्रवाई की बजाए विभाग की तरफ से उसे फिर से ज्वाइन करवाकर उसकी पदोन्नति भी कर दी। यही नहीं विनोद कुमार का भाई संदीप कुमार, जिसकी पन्नीवाला मोटा नाके पर सरेआम रिश्वत लेते हुए विडियो वायरल हो रही है। विडियो में उसने यह भी कहा है कि डबवाली में अधिकतर जवान हम दोनों भाइयों ने पैसे लेकर ही भर्ती किए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग में भ्रष्टाचार का आलम ये है कि बिना नजराना दिए किसी भी जवान की ड्यूटी नहीं लगाई जाती। मामले को लेकर वे गृह मंत्री से लेकर विजीलेंस तक गए। विजीलेंस की जांच में पूरे हरियाणा में गड़बड़ी पाई गई, लेकिन कुछ अधिकारियों की सांठगांठ के कारण कार्रवाई सिरे नहीं चढ़ पाई। अब कुछ अधिकारियों की अदला-बदली से उन्हें उम्मीद जगी है कि उन्हें न्याय मिल सके। अठवाल ने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें 15 दिन का समय दिया है।

ग्रुप डी कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

- विभिन्न मांगों को लेकर डॉ. केवी सिंह से समाधान करवाने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

सिरसा। केवी सिंह को ज्ञापन देते हुए कर्मचारी।

कॉमन कैडर के तहत ग्रुप डी में भर्ती हुए कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विधायक अमित सिहाग के नाम वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह को ज्ञापन सौंप उचित समाधान करवाने हेतु आह्वान किया है। विधायक के नाम सौंपे गए ज्ञापन के तहत कर्मचारियों ने बताया कि वो हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के एडवर्टाइजमेंट नंबर 1/2023 के तहत 10447 ग्रुप डी कर्मचारी जो कि कॉमन कैडर के तहत चयनित हुए थे, को लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर मेरिट सूची के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए थे। उन्होंने आगे बताया कि वर्तमान में वो डीसी ऑफिस के अधीन विभिन्न कार्यालयों में एक महीने से अस्थाई तौर पर कार्य कर रहे हैं,लेकिन नियुक्ति पत्र प्राप्त होने के बावजूद, पोर्टल खोलने में हुई देरी के चलते उन्हें स्थाई रूप से नियुक्ति नहीं दी गई है। उन्होंने विधायक सिहाग से आग्रह किया है कि वो पोर्टल खोलने की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग को पूरा करवाने का काम करें, ताकि उपरोक्त कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे सके। इस संदर्भ में विधायक अमित सिहाग ने बताया कि कर्मचारियों की मांग संबंधित ज्ञापन मिला है और वो कर्मचारियों की मांग को उचित मंच तथा संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखते हुए पूरा करवाने का प्रयास करेंगे।

सामाजिक बुराइयों को दूर करने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। सर्व बूरा सिरोही खाप की बैठक में उपस्थित नए पदाधिकारी।

सर्व बूरा सिरोही खाप की बैठक खाप के प्रधान रणबीर बूरा किरमच की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन खाप महासचिव आर्य दिलबाग बूरा घोघडिया ने किया। बैठक में खाप की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें रमेश बूरा प्रेम नगर को सचिव, आनन्द राज सिरोही (राजेश) मिर्जापुर को प्रवक्ता, धर्मपाल बूरा घिराये, जगबीर बूरा फरमाना और मास्टर देवेन्द्र कालियावास को उपप्रधान, वेद प्रकाश खोखरी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। खाप के प्रधान रणबीर बूरा किरमच ने बताया कि खाप पिछले दस वर्षों से सामाजिक बुराइयों जैस दहेज प्रथा, बाल विवाह, डीजे बंद करवाने, मृत्यु भोज, मृत्यु के बाद तेरह दिन की बजाए सात दिन का शोक, पर्यावरण संरक्षण, मृत्यु उपरांत शव पर महंगी चादर व कपड़े चढ़ाना बंद करना, जल संरक्षण आदि विभिन्न प्रकार की बुराइयों को समाज से खत्म करने का प्रयास कर रही है।

पॉवर लिफ्टिंग में नमन नागपाल ने जीता सिल्वर मैडल

- पंजाब के पटियाला में आयोजित की गई चैंपियनशिप
- नमन ने कोच व परिजनों को दिया अपनी जीत का श्रेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। रजत पदक विजेता नमन नागपाल का स्वागत करते संतोख सिंह व अन्य।

पंजाब के पटियाला में आयोजित अंडर 19 नेशनल सब जूनियर पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में हांसी के हुड्डा कॉलोनी के रहने वाले नमन नागपाल ने सिल्वर मैडल जीतकर प्रदेश, हिसार जिला व हांसी शहर का नाम रोशन किया है। पदक विजेता नमन का शनिवार को हांसी में अंबेडकर चौक पहुंचने पर फूलमाला व नोटो की मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने सिल्वर मैडलिस्ट नमन नागपाल व उनके कोच बजरंग को शहर को सम्मानित किया गया। उसके बाद पदक विजेता खिलाड़ी नमन नागपाल को अम्बेडकर चौक से बाइक के काफिले के साथ श्री काली देवी मंदिर चौक होते हुए ढोल नगाड़ों के साथ हुड्डा कॉलोनी ले जाया गया। इस अवसर पर नमन ने अपनी जीत का सारा श्रेय कोच बजरंग व अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा कि उसका अगला सपना ओलम्पिक खेलकर देश के लिए गोल्ड मैडल जितना है। इस अवसर पर सुरेन्द्र टूटेजा सामाजिक कार्यकर्ता रमेश अरोड़ा, समाजसेवी सीटू नागपाल, राकेश मदान आदि मौजूद रहे।

तिरूपति शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा द्वारा आयोजित एम.एड. तृतीय सैमेस्टर की परीक्षा में तिरूपति शिक्षण संस्थान, रतिया के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम एक बार फिर उत्कृष्ट रहा। यूनिवर्सिटी द्वारा घोषित किए गए परिणामों के तहत एम.एड. तृतीय सैमेस्टर में ममता रानी ने 600 में से 450 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा सुमन रानी ने 600 में से 448 अंक लेकर द्वितीय स्थान व मुकेश रानी ने 600 में से 442 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। परीक्षा परिणामों में बेहतर प्रदर्शन करने पर संस्था के चेयरमैन प्रवीण गोयल व संस्था के डायरैक्टर सौरभ गोयल ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। तिरूपति कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रिंसीपल प्रकाश चन्द ने भी बच्चों को बधाई देते हुए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर एजुकेशन विभाग के एच.ओ.डी. अमित कुमार, सरिता गोयल व प्रवक्तागण डॉ. दिनेश प्रताप सिंह, मंजय कुमार, सतनाम दास, डॉ. स्नेहलता, डॉ. मनजीत कौर, हरमनदीप कौर, बलजीत सिँह, अंजना रानी, कुलदीप कौर, मोनिका, सतीश कुमार, अमरजीत कौर, जगदीप सिंह, मनदीप सिंह, अंजु बंसल, जगदीप सिंह, सुनीता देवी आदि स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

आढ़ती एसोसिएशन ने सीएम नायब सैनी को भेजी शिकायत

निर्माण के दो माह बाद ही टूटने लगी सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। अनाज मंडी की टूटी हुई सड़क का दृश्य।

मंडी में सीवर का बुरा हाल: सिरसा अनाजमंडी में सीवर व्यवस्था का बुरा हाल है। मंडी में सीवर हर समय ओवरफ्लो रहते हैं जिस वजह से सीवर का पानी सड़क पर बहता रहता है। बारिश के दिनों में यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। प्रधान मनोहर मेहता ने कहा कि सिरसा मंडी में कई दशक पहले सीवर लाइन डाली गई थी। उस वक्त आबादी कम थी, लिहाजा कोई समस्या नहीं आई। अब धीरे-धीरे आबादी बढ़ रही है। इस वजह से सीवर लाइन छोटी पड़ रही है। सीवर लाइन में सीवर का पानी ही आसानी से नहीं जाता है। बारिश का पानी भी जब सीवर में जाता है तो लाइन की क्षमता कम होने की वजह से पानी वापस ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगता है। इस कारण आढ़तियों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मंडी व मंडी के बाहर कई स्थानों पर सड़कें भी क्षतिग्रस्त हैं। इसलिए प्रशासन को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए।

जनता भवन रोड को कबीर चौक होते हुए सी ब्लॉक से जोड़ने वाली सड़क निर्माण कार्य के दो माह बाद ही टूटने लगी है। नई बनाई गई इस कंकरीट की सड़क से कई स्थानों पर बजरी निकलने लगी है। इससे आशंका पैदा होती है कि सड़क निर्माण में ठेकेदार ने नियमानुसार सामग्री इस्तेमाल नहीं की है। इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए आढ़ती एसोसिएशन सिरसा के प्रधान मनोहर मेहता ने सीएम विंडो के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी को शिकायत भेजी है। प्रधान मनोहर मेहता ने अपनी शिकायत में लिखा है कि जनता भवन से कबीर चौक होते हुए सी ब्लॉक तक की जर्जर सड़क को बनवाने के लिए मंडी के आढ़तियों ने लंबे समय तक संघर्ष व प्रदर्शन किया था। आढ़तियों के संघर्ष के बाद ही प्रशासन का ध्यान इस जर्जर सड़क की ओर गया तथा सड़क निर्माण के लिए 1 करोड़ 75 लाख रुपयों का टेंडर जारी किया गया। उन्होंने कहा कि ठेकेदार ने सड़क तो बना दी, मगर पहले कबीर चौक के पास एक बड़ा हिस्सा बिना बनाए ही छोड़ दिया था। उस वजह से मंडी में आने वाले भारी वाहन व धान से लदे ट्रक-ट्रॉलियां धंसकर पलट चुके थे। उसे लेकर आढ़तियों ने फिर से आंदोलन किया तो बचा हुआ हिस्सा भी बना दिया, मगर हैरानी की बात है कि अभी सड़क को बने हुए दो माह ही पूरे हुए हैं, और सड़क फिर से टूटने लगी है। कई स्थानों से सड़क में बजरी निकल रही है। प्रधान मनोहर मेहता ने कहा कि सड़क की हालत को देखकर लग रहा है कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने सीएम को भेजी गई शिकायत में मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य की उच्च स्तर पर जांच करवाई जाए।

खबर संक्षेप

देवेंद्र गदराना हत्याकांड के आठ आरोपी गिरफ्तार

कालांवाली। पुलिस ने देवेंद्र गदराना हत्याकांड में तीन किशोरों सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान लखविंद्र सिंह निवासी दादू, हरप्रीत, गुरदीप सिंह, कुलजीत वासी गदराना, हरजिंद्र सिंह निवासी खोखर के रूप में हुई है। इस सिलसिले में थाना कालांवाली प्रभारी इंस्पेक्टर चांद सिंह ने बताया कि 10 जून को देवेंद्र गदराणा पर कुछ लोगों ने हथियारों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

पुलिस ने पकड़ा वांछित आरोपी

सिरसा। पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक वांछित को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पी.ओ. स्टाफ प्रभारी सब इंस्पेक्टर रामफल ने बताया कि सूचना के आधार पर जिस वांछित को गिरफ्तार किया

घर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। शहर के शिव चौक के समीप गली में घर के बाहर से चोर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मनोज कुमार ने बताया कि वह कोर्ट में रीडर के पद पर है। उसने बताया कि सुबह उसने अपने घर के बाहर मोटरसाइकिल खड़ी की थी। कुछ देर बाद संभाला तो मोटरसाइकिल गायब मिली। जिसकी शिकायत पुलिस से की है।

मंदिर से लौट रही महिला के गले से झपटी चेन

सिरसा। शहर के आईटीआई रोड स्थित काली माता के मंदिर में माथा टेककर लौट रही एक महिला के गले से बाइक सवार युवक सोने की चेन छीनकर ले गए। महिला ने काफी शोर भी मचाया, लेकिन जब तक आसपास के लोग आते युवक भागने में कामयाब हो गए। पुलिस को दिए बयानों में हरीविष्णु कॉलोनी निवासी कपिल सेठी ने बताया कि शाम को वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ आईटीआई रोड पर स्थित काली माता मंदिर में माथा टेकने के लिए गया था।

सीडीएलयू के पांच कर्मचारी हुए पदोन्नत

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय द्वारा पांच कर्मचारियों को पदोन्नति का तोहफा दिया गया है। विश्वविद्यालय के कर्मचारी नेता रविंद्र सैनी ने बताया कि विश्वविद्यालय के कर्मचारी दर्शन कौशिक को उपाधीक्षक, रविंद्र, देवीलाल व मीना को लिपिक तथा रामनाथ को दफ्तरी पद पर पदोन्नति प्रदान की है।

इनेलो की जिला स्तरीय बैठक आज

सिरसा। इनेलो की जिला स्तरीय बैठक रविवार इनेलो कार्यालय में होगी। यह जानकारी देते हुए इनेलो प्रवक्ता महाबीर शर्मा ने बताया कि बैठक को इनेलो के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला व पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा विशेष रूप से संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि इनेलो के दोनों वरिष्ठ नेता पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को पार्टी के आगामी कार्यक्रमों व विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देंगे।

संस्थाओं ने पर्यावरण सुरक्षा को वितरित किए पौधे

सिरसा। सतगुरु प्रताप सिंह हाईटैक नर्सरी व हैलो सिरसा संस्था की ओर से पर्यावरण बचाओ अभियान की ओर से आमजन में पौधों का वितरण किया गया। अभियान के संचालक अविनाश फुटेला ने बताया कि शनिवार को आमजन को हजारों पौधे निःशुल्क वितरित करने के साथ-साथ पौधारोपण के प्रति जागरूक भी किया गया। उन्होंने बताया कि हैलो सिरसा की ओर से लगातार पर्यावरण बचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, जिसके सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। उनकी इस मुहिम से आमजन में भी जागृति आई है और लोग पौधारोपण की महत्ता को समझते हुए इस अभियान में उनके साथ कदमताल करने के लिए आगे आने लगे हैं।

रेलवे अंडरपास के निर्माण में खर्च होंगे चार करोड़

पांच वर्षों से लंबित पड़े निर्माणाधीन रेलवे अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू

गांवों का शहर से होगा सीधा जुड़ाव, नव वर्ष पर जनता को किया जाएगा समर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जाखल

लगभग पांच वर्षों से लंबित निर्माणाधीन रेलवे अंडरपास का तोहफा शहर को इस साल मिल जाएगा। यहां फाटक पर प्रस्तावित निर्माणाधीन पांच वर्षों से अधर में लटके रेलवे अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू हो गया हैं। निर्माण मुकम्मल होने के बाद यह अंडरपास चालू होने के बाद शहर के लोगों के लिए लाइन पार क्षेत्र में वाहन लेकर जाना-आना बेहद आसान हो जाएगा। यह आधुनिक अंडरपास होगा। इस प्रोजेक्ट के साथ शहर विकास की सीढ़ी पर एक और पायदान ऊपर चला जाएगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए 6 माह की समय अवधि तय की गई है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार इस रेलवे अंडरपास का निर्माण अब शुरू हो गया है। ये कार्य अंतिम चरण का हैं। अंडरपास का निर्माण जेड शेप में हो रहा है। इसके दोनों तरफ खुले हिस्से में शेड बनाए जा रहे हैं, ताकि बारिश का पानी अंडरपास में जमा न हो। फिर भी यदि थोड़ी बहुत मात्रा में बारिश का पानी भूमिगत हिस्से में जमा भी होता है तो उसके लिए यहां पर बोरिंग की जाएगी। इसमें वह पानी सीधा जमीन में जाएगा। निविदा मुताबिक रेलवे के पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा इस रेलवे अंडरपास का निर्माण मुकम्मल करने में अब करीब 4 करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे। इसके चालू होने से जाखल मंडी एवं जाखल गांव के बीच इस रेलवे अंडरपास का निर्माण इसी वर्ष मुकम्मल होने आस लगाई जा रही हैं।

जाखल। रेलवे अंडरपास का काम शुरू करने के लिए सफेदी डालते।

जाखल। पिछले लम्बे समय से निर्माण कार्य को लेकर बाट जो रहा जाखल का रेलवे अंडरपास।

क्या कहते है अधिकारी

अतिरिक्त बजट राशि स्वीकृत होने के बाद निविदा प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। अब इसका कार्य भी शुरू कर दिया हैं। इसका निर्माण कार्य पूरा होने पर आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। इसी वर्ष यह निर्माण कार्य पूरा कर नव वर्ष पर यह अंडरपास जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

-नवीन कुमार, निर्माण विंग अधिकारी, जाखल जंक्शन

सात वर्ष से बीच में लटक रही योजना

दरअसल, यहां रेलवे अंडरपास निर्माण की योजना लगभग 7 वर्ष पहले बनाई गई थी। इसके बाद लगभग 12 करोड रुपए से निविदा प्रक्रिया संपन्न कर इसका कार्य आरंभ कर दिया गया था, लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा निर्माण के दो वर्ष बाद ही बजट खत्म होने का रोना रोते हुए रेलवे अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य अधर में बंद कर दिया था। ये राशि कम पड़ने पर रेलवे द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की गई थी। इस मांग पर रेलवे के मुकम्मल निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा अब जाकर बजट राशि जारी कर स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के लिए रेलवे ने आगामी कार्य करते हुए अब इसके लिए फिर से करीब 4 करोड़ रुपए से निविदा अलॉट कर दी हैं। इससे हुआ यूं कि जो ये योजना लगभग 4 साल पहले ही सिरे चढ़ जानी चाहिए थी, अतिरिक्त राशि की देरी से ये योजना अभी तक बीच में लटक रही है। अब अतिरिक्त बजट राशि स्वीकृत होने के बाद पुनः इस योजना को पंख लगेंगे। बता दें कि लगभग 7 वर्ष पहले तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सुभाष बराला ने इस रेलवे ओवरब्रिज का शिलान्यास कर, निर्माण कार्य शुभारंभ कराते हुए इस योजना को जल्द ही नागरिकों को समर्पित किए जाने की घोषणा की थी, लेकिन बराला के उद्देश्य से इस रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। बजट के अभाव के चलते अभी तक रेलवे अंडरपास का कार्य पुनः आरंभ होने में देरी हो रही थी। शहर के बीचों बीच में से शुरू होकर रेल लाइनों के तले से निकलकर, जाखल गांव सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों के लिए रेलवे अंडरपास का निर्माण वरदान साबित होगा।

भवानी सिंह बने भाकिमो के सात जिलों के इंचार्ज

- जिम्मेवारी मिलने पर संगठन की मजबूती पर रहेगा जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

भवानी सिंह।

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर तैयारियां तेज कर दी है। विधानसभा चुनावों से पूर्व होने वाले कार्यक्रमों को धरातल पर सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के लिए टीमों का गठन किया जा रहा है। इसी कड़ी में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सुखविंदर श्योराण ने फतेहाबाद के युवा नेता एवं किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव ठाकुर भवानी सिंह को अहम जिम्मेवारी सौंपते हुए उन्हें सात जिलों का इंचार्ज बनाया है। ठाकुर भवानी सिंह द्वारा की जा रही कड़ी मेहनत को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह अहम जिम्मेवारी सौंपी है। ठाकुर भवानी सिंह सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, भिवानी, दादरी और महेन्द्रगढ़ जिलों में होने वाले कार्यक्रमों का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की जिम्मेवारी संभालेंगे। भवानी सिंह ने अपनी नियुक्ति पर सीएम नायब सिंह सैनी, पूर्व सीएम व केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार जताया।

जिले के सभी गांवों में होगा जल चौपाल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

जल संरक्षण आभियान के तहत हर घर को स्वच्छ पानी सुनिश्चित करने के लिए जिले के हर गांव में जल चौपाल का आयोजन किया जाएगा। जल चौपाल में गांव के लोगो की समस्याओं पर कार्य करते हुए ग्रामीणों के साथ मिलकर जल संरक्षण अभियान की कार्य योजना ग्राम स्तर पर तैयार की जाएगी। यह जानकारी जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने दी। उन्होंने बताया कि जिले के सभी शहरों में विभाग द्वारा टीम लगाकर घर-घर सर्वे करवाया जा रहा है। इस दौरान जिसने भी पीने के पानी पर सर्विस स्टेशन, हरा चारा सब्जी लगा रखी है उनके कनेक्शन तुंरत प्रभाव से काटे जा रहे हैं। विभाग उनकी सूची भी तैयार कर रहा है जिनके बिल बकाया है, उनको भी नोटिस दिया जाएगा यदि फिर भी बिल का भुगतान नहीं करते हैं तो उनके भी कनेक्शन काटे जाएंगे ताकि जिले के हर घर को पीने का पानी मिल सके इसमें सभी जिला वासी विभाग का सहयोग करें। शर्मा चंद लाली ने बताया कि जुलाई माह से स्कूल में बच्चों को जल संरक्षण के बारे में मोटिवेट करके व गांव स्तर पर जल चौपाल का अयोजन करके स्कूली बच्चों व ग्रामीणों की मदद से विभाग जल संरक्षण का अभियान चलाएगा।

अनाज मंडी में बताए नशे के दुष्परिणाम नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के दिशा निर्देशानुसार हरियाणा के सभी जिलों में नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला फतेहाबाद में 12 जून से नशा मुक्त भारत का पखवाड़ा चलाया जा रहा है जोकि 26 जून तक चलेगा। एएसआई सुर्यकान्त व टीम द्वारा फतेहाबाद की नई अनाज मंडी में नशे के खिलाफ कार्यक्रम किया गया, जिसमें लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत करवाया गया। लोगों को समझाया गया कि नशा ऐसा अभिशाप है, जिसकी चपेट में आने से परिवार बर्बाद हो रहे है। समाज में छवि धूमिल होती है और लोग दूरी बना लेते है। अगर समाज व देश का नाम रोशन करना चाहते है, बच्चों का बेहतर भविष्य चाहते है, तो नशे से दूर रहे। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो व हरियाणा पुलिस का सहयोग करते हुए नशे को खत्म करने में आगे आए। सूर्यकांत ने नशे के बारे लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता कि उसकी संतान किसी भी प्रकार का नशा करे लेकिन नशे के तस्कर युवाओं को नशे का आदि बना रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह ऐसे दुष्ट लोगों की सूचनाएं 90508-91508 पर देकर पुलिस का सहयोग करे। उन्होंने कहा सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्ण रूप से गुप्त रहेगा।

अधिवक्ताओं ने संत कबीरदास को किया नमन

- संत शिरोमणि संत कबीरदास महाराज की 627वीं जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

संत शिरोमणि संत कबीरदास महाराज का 627वीं जयंती जिला बार एसोसिएशन सिरसा द्वारा पूरी श्रद्धा से मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्यातिथि जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदित्य राठौर थे जबकि विशिष्ट अतिथिउपप्रधान लक्की दुग्गल, सहसचिव राखी मौर्य तथा वरिष्ठ अधिवक्ता मदन मोहन पारीक थे। कार्यक्रम के संयोजक सुनील मौर्या एडवोकेट ने संत कबीर की शिक्षाओं को सभी के लिए शिक्षाप्रद बताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक आडंबरों पर की गई उनकी चोट आज भी इस बात को इंगित करती है कि उन्होंने उस दौर में भी पूरी निडरता से सत्य को उजागर किया। इतिहासकार रमेश शास्त्री ने संत कबीर महाराज के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रिटायर्ड तहसीलदार ओमप्रकाश लाडवाल, बलबीर कौर गांधी, नरेंद्र शर्मा, सुरेश कुमार मलिक, शेर सिंह फौजी, राकेश मोरवाल, कृष्ण लाडवाल, रोशन नागर ने संयुक्त रूप से कहा कि संत कबीर एक निर्भीक, दार्शनिक, धर्मशास्त्री, अत्याचार के खिलाफ सच्चाई से लड़ने वाले तथा पवित्र गुंरथों के रचयिता, जुल्मी राजाओं के आगे कभी न झुकने वाले एक महान व्यक्तित्व के मालिक थे। जिला बार संघ ने संयुक्त रूप से शिरोमणि महापुरुष को संसार के लिए एक सही मार्ग पर चलाने वाला एक महान संत बताया। संस्था की ओर से आमंत्रित अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन जिला बार संघ के प्रेस प्रवक्ता मोहनलाल एडवोकेट ने बखूबी किया। इस मौके पर संजय गोयल एडवोकेट, जयभारत लाल गर्ग, काशीराम पिलानिया, पवन बिश्नोई, नायब थिराज, विकास ढिल्लों, वेदप्रकाश अरोड़ा, प्रिंस पूनिया, जतिन गोलना, बिल्लू, अनीता बंसल, किरण कंबोज, राजेंद्र जग्गा आदि रहे।

सिरसा। संस्था की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए।

लायंस क्लब की नई कार्यकारिणी गठित

सिरसा। लायंस क्लब सिरसा आनंद के प्रधान संजीव मेहता की अध्यक्षता, क्लब फाउंडर संदीप गोगिया की उपस्थिति में निजी होटल में जनरल मीटिंग हुई जिसमें क्लब की नवीन कार्यकारिणी गठित की गई। सर्वसम्मति द्वारा लायनस्टिक वर्ष 2024-2025 के लिए लायंस क्लब सिरसा आनंद के प्रधान पद के लिए मुकेश वर्मा को चुना गया। इसी प्रकार सचिव रजत चलाना, कोषाध्यक्ष अमित सोढ़ी के चयन के साथ-साथ उपप्रधान डॉ. राजपाल मोंगा, 'वाइंट सचिव सुनील मेहता, 'वाइंट कोषाध्यक्ष मोहित अरोड़ा, टेल ट्विस्टर साहिल गोयल, क्लब मेंबरशिप चेयरमैन सुनील गर्ग, इवेंट्स चेयरमैन पवन फुटेला एवं क्लब के बतौर जनसंपर्क अधिकारी चरणजीत लूथरा को भी जिम्मेदारी सौंपी गई।

334.64 लाख से बनने वाले मार्ग का शिलान्यास

- कार्यक्रम में पहुंचे विधायक का ग्रामीणों ने स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

विधायक लक्ष्मण नापा ने शनिवार को रत्ता खेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी, नजदीक सरदूलगढ़ रोड से रत्ता खेड़ा तक बनने वाले सम्पर्क मार्ग का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में पहुंचे विधायक का ग्रामीणों ने स्वागत किया और इस सड़क निर्माण कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। विधायक लक्ष्मण नापा ने कहा कि हरियाणा रा'य कृषि विपणन बोर्ड स्कीम के तहत रत्ता खेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी, नजदीक सरदूलगढ़ रोड से रत्ता खेड़ा तक बनने वाले सम्पर्क मार्ग को 3 करोड़ 34 लाख 64 हजार रूपये की लागत से निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग के बनने से आस-पास की सभी ढाणी वासियों को आवागमन और अपनी फसल को मंडी ले जाने में काफी सहायता मिलेगी, इसलिए इसका निर्माण कार्य काफी गुणवत्तापूर्ण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस रोड की लम्बाई 4.40 किलोमीटर होगी और 10 माह के अंदर इस कार्य को पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रतिया विधानसभा क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए वह प्रतिबद्ध है। गांवों की सड़कों को पक्की बनाने के लिए उनकी ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है। रतिया हल्के को विकास के मामले में किसी भी क्षेत्र में कम नहीं रहने दिया जाएगा। इस मौके पर सरपंच एसोसिएशन प्रधान अरविन्द सिहाग, पूर्व सरपंच आत्मा राम कड़वासरा, रामस्वरूप प्रधान, राधेश्याम, सुभाष रताखेड़ा, मेंबर रोहतास, निर्मल, सुखविंद्र, विनोद, कैलाश बेनीवाल, आत्मा राम राहड़, सतपाल लडी, कमल, सोनी नायक, नेकी राम, विजय सिहाग, विकास सहित ग्राम वासी मौजूद रहे।

रतिया। रत्ताखेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी से रत्ता खेड़ा तक बनने वाले सम्पर्क मार्ग का शिलान्यास करते विधायक लक्ष्मण नापा। *फोटो : हरिभूमि*

गोशालाओं में बायोगैस संयंत्र लगवाने पर मिलेगा अनुदान

- संयंत्र लगाने पर कुल लागत का 40 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

अतिरिक्त उपायुक्त राहुल मोदी ने बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के माध्यम से हरियाणा सरकार गौशालाओं, धर्मार्थ संस्थाओं, मुर्गी फार्म, व्यवसायिक व व्यक्तिगत डेयरी में बायोगैस संयंत्र लगाने पर संयंत्र की कुल लागत का 40 प्रतिशत तक अनुदान दे रही है। आवेदनों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि उपरोक्त संस्थाओं जैसे गौशालाओं, धर्मार्थ संस्थाओं, मुर्गी फार्म, व्यवयायिक व व्यक्तिगत डेयरी में उनकी ऊर्जा की आवश्यकता की पूर्ति बायोगैस से बिजली बनाकर तथा बायोगैस से कुकिंग गैस तैयार करके बहुमूल्य ऊर्जा की बचत की जा सकती है। बायोगैस से निकली खाद बहुत ही उपजाऊ होती है। भूमि व बायोगैस की खाद से भूमि को अधिक उपजाऊ बनाया जा सकता जा सकता है। बायोगैस का प्रयोग करने से एलपीजी की खपत में भी कमी आएगी तथा इन संस्थाओं का एलपीजी व बिजली की खपत में कमी होने से बिजली के बिलों में अत्यधिक कमी लाई जा सकती है।

नई रेल सेवा के विस्तार के लिए भेजा मांगपत्र

- श्री ब्राह्मण सेवा समिति ने केंद्रीय रेल मंत्री को भोजा मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

श्री ब्राह्मण सेवा समिति ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक मांगपत्र भेजकर नवनिर्मित नई रेल लाइन हांसी-महम-रोहतक पर सिरसा से नई दिल्ली के लिए वाया हांसी-महम-रोहतक-नई दिल्ली तक नई इंटरसिटी चलाई जाने की मांग की है। समिति से प्रधान रोशनलाल वशिष्ठ, कार्यकारी प्रधान सुरेश गौतम, यशपाल शर्मा, नेतराम शर्मा, विशंबर शर्मा ने संयुक्त रूप से लिखे अपने पत्र में कहा कि हाल ही में हांसी, महम व रोहतक तक 72 किलोमीटर नई रेलवे लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। सिरसावासियों की मांग है कि सिरसा से सुबह 4.30 बजे सिरसा से हिसार-हांसी-महम व रोहतक नई दिल्ली के बीच नई इंटरसिटी ट्रेन चलाई जाए, जिसमें एक थर्ड एसी व एक एसी चेयर कार कोच की भी व्यवस्था करवाई जाए। उन्होंने बताया कि सिरसावासियों की यह मांग काफी समय से लंबित है। उन्होंने मांग की कि इस ट्रेन का समय यूं रखा जाए कि यात्रियों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। सुबह यह ट्रेन प्रातः 9 बजे नई दिल्ली पहुंचे व वापसी में नई दिल्ली से शाम 5 बजे चलकर रात्रि 10 बजे सिरसा पहुंचे, ताकि आम आदमी व व्यापारी वर्ग 8 घंटे में काम कर अपने घर वापस लौट सकें।

जिला शिक्षा अधिकारी से मिलकर की समस्याओं के समाधान की मांग

हसला के जिला पदाधिकारियों ने बैठक में दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जाखल

हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन, फतेहाबाद की बैठक जिला अध्यक्ष कृष्ण चंद धारसूल की अध्यक्षता में फतेहाबाद स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुई। बैठक में हसला के सभी जिला पदाधिकारी और पीजीटी ने भाग लिया। इस मीटिंग में मुख्य मुद्दे आश्रित माता पिता, भाई बहन के मेडिकल क्लेम, परिवार पहचान पत्र के राजस्व कार्य, अवकाश में भी शिविर आयोजन, एसीपी के लंबित मामलों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। हसला के जिला प्रधान कृष्ण चंद ने बताया कि उनके आश्रित के मेडिकल क्लेम बुढ़ापा पेंशन के कारण रोके जा रहे हैं, जबकि धरातल पर उनके अभिभावक पूर्णत कर्मचारियों पर ही आश्रित हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन मान सम्मान का भत्ता है, जबकि सरकार द्वारा इसे आय मान कर मेडिकल क्लेम रोके जा रहे हैं, यह सरासर गलत है, जबकि बाकी प्रदेश में मेडिकल क्लेम पास हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीपीपी के कार्य में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान भी लगातार 10 दिन जो शिविर लगाए जा रहे हैं, उसमें हसला के कर्मचारी अवकाश के दौरान भी कार्य पर आते हैं, जबकि उसके बदले उन्हें किसी प्रकार का मेहनताना नहीं मिलता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षक वर्ग से वह कार्य लिया जा रहा है जो मुख्यत राजस्व विभाग का कार्य है। यदि ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी शिक्षक वर्ग से ऐसे कार्य लेना था तो फिर अवकाश घोषित करने का ढोल क्यों पीटा जा रहा है। ब्लॉक अध्यक्ष रहे विजय कुमार ने पीजीटी वर्ग की ट्रांसफर जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला। भट्टू ब्लॉक के प्रधान रोहतास ने भी एसीपी जैसी समस्याओं पर अपनी राय रखी। अंत में सदस्यों ने अपनी समस्याओं को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई से मुलाकात की और सेक्शन ऑफिसर को बुलाकर अपनी समस्याओं के बारे में उन्हें अवगत करवाया। जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई ने ध्यानपूर्वक संगठन की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के समाधान का विश्वास दिलाया। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने संगठन से एक सप्ताह का समय मांगा है। जिला प्रधान कृष्ण चंद ने जिला शिक्षा अधिकारी को बताया कि यदि एक सप्ताह के दौरान उनकी समस्या हल न हुआ तो वह धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

जाखल। बैठक करते हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन के अधिकारी।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 23 मई 2024

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

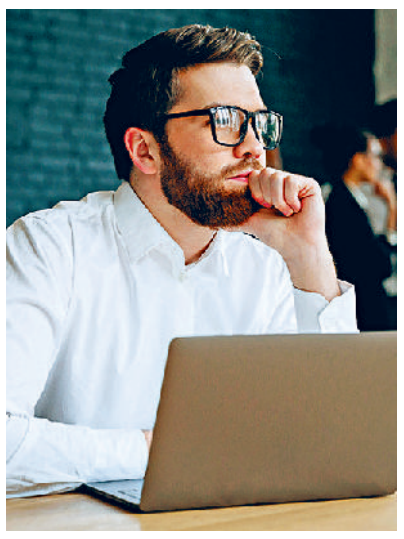

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

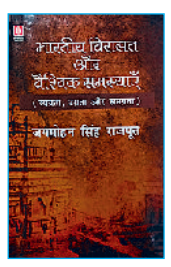

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

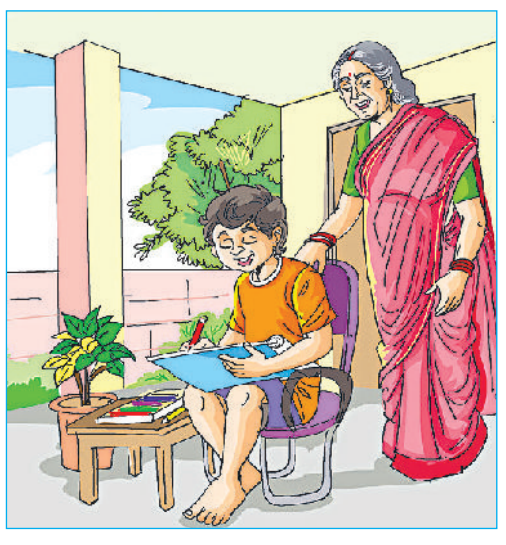

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

{ टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन }

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा। *

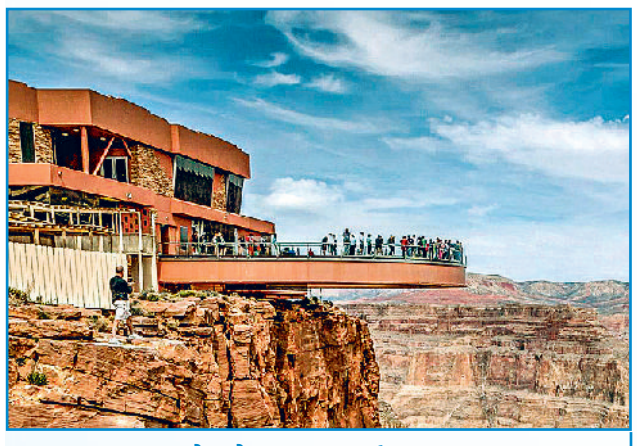

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं। *

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और वह भी बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे। *

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है। *

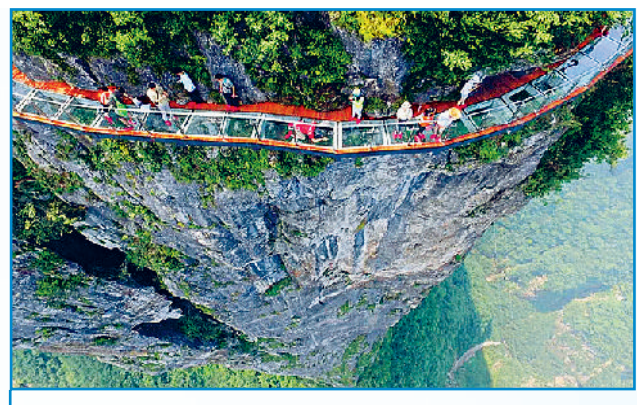

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है। *

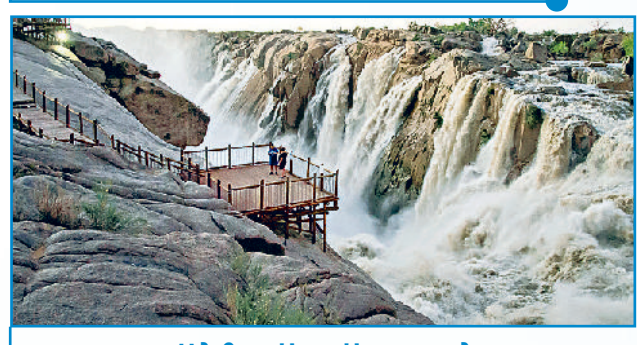

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। *

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

{ रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा }

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है। *

{ ट्रेंड / विवेक कुमार }

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है। *

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

{ बातचीत / पूजा सामंत }

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी ?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं ?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जो के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है ?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी ?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं ?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है। *

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'